

MAHARAO RAGHUVEER SINGH, SIROHI

Maharao Raghuveer Singh, Sirohi is a world renowned historian and many Scholars have done their PhD's under his guidance from various Universities of India.

2. Born on January 27, 1943, he has been a topper from 1st Standard to M.A. Final. He did his Senior Cambridge from the University of Cambridge, England and Master of Arts from the University of Rajasthan in which he is a Gold Medalist. In the summer of 1967, he hosted an All India Youth Conference at Mount Abu in which Sardar Hukam Singhji , His Excellency, the Governor of Rajasthan and Former Speaker of the Lok Sabha, was the Chief Guest and Shri Mathura Das Mathur, the Senior most Minister of the Rajasthan Cabinet, was the Guest of Honour. This Conference was attended by Shri Sharad Yadav, the Senior Leader of Janta Dal United, who was then a prominent Student Leader.

3. On the 31st of August 1973, Sirohi District witnessed the worst flood of the century and for three weeks Maharao Raghuveer Singh was on his feet day and night going from town to town , village to village and one devastation site to another braving all hazards and brought immediate relief to the people by way of housing , food, clothing, shelter, Kerosene, and Medicine from his own resources and also prevailed upon the Government to grant new housing sites at higher elevations to eliminate the risk of future floods and thus became the 'Darling of the People' and the Bards composed songs in his Honour.

4. In 1982 Maharao Raghuveer Singh organized an All India History Congress at Sirohi which was inaugurated by Dr. Nagendra Singhji, the Judge of the International Court of Justice at the Hague who later became it's Chief Justice. He invited His Holiness the Dalai Lama of Tibet for the inauguration of the Universal Peace Hall at Mount Abu on the 9th February 1983 and played host to him at the Sirohi Palace. In August 2014 he was the Chief Guest at the Convention in the Town Hall of Kathmandu (Nepal) and in December 2016, he delivered a moving speech at the huge function organized by the Vishwa Hindu Prishad and Yogi Aaditya at the Pashupati Nath Kshetra , Nepal which was presided over by His Majesty King Gyanendra of Nepal.

5. In November 2014 Maharao Raghuveer Singh was the Chief Guest at the Annual Convention of RANA (Rajput Association of North America) at Atlanta (U.S.A.) and was greatly applauded by the entire audience for his masterly speech. He has been the Chief Guest and is addressing big conventions and public meetings across the country from Kashmir to Kanya Kumari and Kutch to Kolkata.

6. Maharao Raghuveer Singh has been escorting all the VVIP's and giving them a very informative guided tour of Arbudaranya and Mount Abu which reflects his depth of knowledge - Pt. Jawahar Lal Nehru, Hon'ble Prime Minister of India in October 1958, Shri S. Radha Krishnan & Shri V.V. Giri, Hon'ble Presidents of India in 1961 and 1966, Prime Minister Shri Lal Bahadur Shastri, Home Minister Shri Y.B. Chavan, Prime Minister Smt. Indira Gandhi in June 1984, Prime Minister Shri Rajiv Gandhi in August 1985. Prime Minister Shri V.P. Singh during his visit to Udaipur in 1990 , Deputy Prime Minister Chaudhary Devi Lal in March 1991 and Prime Minister Shri P.V. Narasimha Rao in 1993 apart from many Central Ministers, Governors and Chief Ministers. He Chaired the function at the Annual Convention of CAPSI at the Vigyan Bhawan, New Delhi in 2009 where Smt. Pratibha Patil, Hon'ble President of India, was the Chief Guest and at the huge public gatherings at Wankaner in June 2011 and at Surat in May 2013 where Shri Narendra Modi (Hon'ble Chief Minister of Gujarat who is now the Prime Minister of India) was the Chief Guest. The Public gathering in Surat exceeded 1 lac people. He has a deep study of religion, culture and history of India and many other lands and thus his insight into matters is heard with rapt attention in all parts of India and many parts of the World.

7. In 1981 & 1996 Maharao Raghuveer Singh organized All India Sanatan Dharma Sammelans at the ancient Capital of Kolargarh near Sirohi which were attended by half a million people, Shankracharyas, Maha Mandleshwars , Madhavacharaya, Vallabhacharaya, eminent Saints and luminaries like Maharaja Dr. Karan Singhji of Kashmir , Maharana Bhagwat Singhji of Mewar, Maharaja Gaj Singhji of Jodhpur and Maharaja Vibhuti Narayan of Benaras apart from Shri Bhairon Singh Shekhawat (Hon'ble Chief Minister of Rajasthan — who later became Vice President of India), Shri Murli Manohar Joshi (who later became Union Cabinet Minister) and Sadhvi Ritambhra.

8. Maharao Raghuveer Singh also has deep study of military strategy and armaments and of wild life. Many ancient monuments by way of Forts, Temples, Lakes and Vavs are under his charge in his capacity as the Chairman of various Trusts and he has been rendering yeoman services in the preservation, protection and restoration of those great heritage sites.



श्री महाराव रघुवीर सिंह, सिरोही

श्री महाराव रघुवीर सिंह, सिरोही एक विश्व प्रसिद्ध इतिहासकार हैं तथा भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों से अनेक शोधकर्ताओं ने इनके कुशल मार्गदर्शन में अपनी पी. एच. डी. की है।

2. आपका जन्म 27 जनवरी, 1943 को हुआ। आप प्रथम कक्षा से लेकर एम ए फाइनल तक हमेशा अव्वल स्थान पर रहे। आपने यूनिवर्सिटी ऑफ कैंब्रिज, इंग्लैण्ड से अपनी सीनियर कैंब्रिज तथा राजस्थान विश्वविद्यालय से मास्टर ऑफ आर्ट्स की उपाधि प्राप्त की जिसमें आपको गोल्ड मेडल प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। वर्ष 1967 के ग्रीष्मकाल में अपने माउंट आबू में आयोजित अखिल भारतीय युवा सम्मेलन, जिसमें राजस्थान के महामहिम राज्यपाल तथा लोक सभा के पूर्व स्पीकार हुकुम सिंह जी मुख्य अतिथि तथा राजस्थान मंत्रिमंडल के वरिष्ठतम मंत्री श्री मथुरादास माथुर गेस्ट ऑफ ऑनर थे, की मेजबानी करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। इस सम्मेलन में जनता दल यूनाइटेड के वरिष्ठतम नेता श्री शरद यादव, जो उस समय प्रमुख छात्र नेता थे, ने भी शिरकत की थी।

3. दिनांक 31 अगस्त, 1973 को सिरोही जिले को शताब्दी की सबसे भयंकर बाढ़ का सामना करना पड़ा तथा लगभग तीन सप्ताह तक महाराव रघुवीर सिंह ने दिन रात एक नगर से दूसरे नगर, एक गांव से दूसरे गांव तथा एक क्षतिग्रस्त स्थल से दूसरे तबाह हो चुके स्थान तक सभी बाधाओं का सामना करते हुए कड़ी मशक्कत के साथ लोगों को तात्कालिक राहत मुहैया करवाने में अहम भूमिका निभाई तथा उन्हें स्वयं के संसाधनों से आवास, भोजन, वस्त्र, आश्रय, केरोसीन तथा दवाइयों के रूप में सहायता प्रदान करने के साथ-साथ भविष्य में आने वाली बाढ़ के जोखिम को समाप्त करने हेतु लोगों को ऊंचे स्थानों पर आवास स्थल मुहैया करवाने के लिए सरकार पर दवाब बनाया जिससे वे वहां की आम जनता के 'चहेते' बन गए तथा कवियों ने उनके सम्मान में गीतों की रचनाएं की।

4. वर्ष 1982 में महाराव रघुवीर सिंह द्वारा सिरोही में ऑल इंडिया हिस्ट्री कांग्रेस का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ हेग स्थित अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के न्यायाधीश डॉ. नागेन्द्र सिंह जी के कर कमलों से हुआ जो बाद में अंतर्रार्ष्ट्रीय न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश भी बने। आपने दिनांक 9 फरवरी, 1983 को माउंट आबू में आयोजित यूनिवर्सल पीस हॉल के शुभारंभ के लिए परम पूज्यनीय दलाई लामा को आमंत्रित किया तथा आपको सिरोही पैलेस में उनकी सेवा का सुअवसर प्राप्त हुआ। अगस्त 2014 में आपको काठमांडू (नेपाल) के टाउन हॉल में आयोजित सभा में मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया तथा दिसम्बर, 2016 में आपने विश्व हिंदू परिषद तथा योगी आदित्य द्वारा पशुपति नाथ क्षेत्र, नेपाल में आयोजित एक भव्य समारोह, जिसकी अध्यक्षता नेपाल के महामहिम राजा ज्ञानेन्द्र द्वारा की गई थी, में मर्मस्पर्शी भाषण दिया।

5. नवंबर, 2014 में अटलांटा (यू एस ए) में आयोजित वार्षिक राणा सम्मेलन (उत्तरी अमेरिका का राजपूत संगठन) में आपको मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का गौरव हासिल है तथा आपके शानदान भाषण के लिए सभी श्रोताओं द्वारा आपकी भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। आपने देश भर में कश्मीर से कन्याकुमारी तथा कच्छ से कोलकाता तक आयोजित बड़े-बड़े सम्मेलनों तथा जनसभाओं में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और अपने प्रवाहपूर्ण भाषणों से लोगों को भाव-विभोर कर दिया।

6. आपने केन्द्रीय मंत्रियों, राज्यपालों तथा मुख्यमंत्रियों के अलावा अनेक अति विशिष्ट व्यक्तियों जैसे कि-अक्तूबर 1958 में भारत के माननीय प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू, वर्ष 1961 में श्री एस राधा कृष्णन तथा 1966 में श्री वी वी गिरि, जून 1984 में प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री, गृह मंत्री श्री वाई. वी. चाह्वण, प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी, अगस्त 1985 में प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी तथा वर्ष 1990 में प्रधानमंत्री श्री वी पी सिंह को उनके उदयपुर दौरे के दौरान, मार्च 1991 में उप प्रधानमंत्री चौधरी देवी लाल तथा वर्ष 1993 में प्रधानमंत्री श्री पी. वी. नरसिम्हा राव को एस्कॉर्ट किया है तथा उन्हें अरबूदारण्य एवं माउंट आबू की अत्यंत सूचनाप्रद यात्रा करवाई है जो आपके अथाह ज्ञान को दर्शाती है। आपने वर्ष 2009 में विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित सी ए पी एस आई वार्षिक सम्मेलन की अध्यक्षता की जिसमें भारत की तत्कालीन महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल मुख्य अतिथि थीं। इसके अलावा, आपने जून, 2011 में वानखेड़े में भारी भीड़ को तथा मई, 2013 में सूरत जहां श्री नरेन्द्र मोदी (गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री तथा जो अब भारत के माननीय प्रधानमंत्री है), मुख्य अतिथि थे, की अध्यक्षता की। गुजरात में आयोजित जनसभा में 1 लाख से अधिक की संख्या में लोग एकत्रित हुए थे। आपने भारत तथा अन्य अनेक देशों के धर्मों, संस्कृति तथा इतिहास का गहन अध्ययन किया है अत: इनसे संबंधित मुद्दों के विषय में गहन जानकारी से भरपूर आपके विचारों को भारत तथा विश्वभर के अन्य भागों में बड़ी तन्मयता से सुना एवं सराहा जाता है।

7. आपको वर्ष 1981 एवं 1996 में सिरोह के समीप कोलारगढ़ की प्राचीन राजधानी में अखिल भारतीय स्नातक धर्म सम्मेलनों का आयोजन करने का श्रेय प्राप्त है जिनमें भैरो सिंह शेखावत (राजस्थान के तत्कालीन माननीय मुख्यमंत्री-जो बाद में भारत के उप राष्ट्रपति बने), श्री मुरली मनोहर जोशी (जो बाद में केन्द्रीय मंत्री बने) तथा साध्वी ऋतंभरा के अलावा लगभग पांच लाख लोगों, शंकराचार्य, महामंडलेश्वरों, माध्वाचार्यों, वल्लभाचार्यों, प्रमुख संतों तथा कश्मीर के महाराजा डॉ. करण सिंह जी, मेवाड़ के महाराणा भागवत सिंह जी, जोधपुर के महाराजा गजसिंह तथा बनारस के महाराजा विभूति नारायण जैसे प्रकाण्ड पंडितों ने भाग लिया।

8. महाराव रघुवीर सिंह को सैन्य रणनीति, युद्ध सामग्री तथा वन्य जीवन की गहन जानकारी है। विभिन्न न्यासों के अध्यक्ष के रूप में अनेक प्राचीन स्मारकों जैसे किलों, मंदिरों, झीलों तथा वावज को उनके प्रभाराधीन किया गया है तथा आप इन विरासत स्थलों के संरक्षण, सुरक्षा एवं जीर्णोद्धार के लिए अनवरत अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।